सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

● वर्षः 11 ● अंकः 119 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 2 जून, 2025

अगर आपके अन्दर बस एक मुस्कान बची है तो उसे उन्हें दीजिये जिनसे आप प्रेम करते हैं।
-माया एंजिलो

फाइनल में पंजाब का बेंगलुरु से... 7 | दिन में रेप रात में गांजा देखना हो... 3 | केंद्र व राज्य की लड़ाई में यूपी... 2

नागालैंड में हो गया बड़ा राजनीतिक खेल!

मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो काफी मजबूत स्थिति में

भाजपा के दोनों हाथों में लड्डू वाली स्थिति

- » एनसीपी के सभी सात विधायकों ने बगावत कर बदल लिया पाला
- » एनडीपीपी में शामिल हो गये सभी विधायक, विस अध्यक्ष ने दी मंजूरी, देखते रह गये चाचा-भतीजे
- » इस पूरे घटनाक्रम में अजीत पवार की मौन सहमति, शरद पवार को दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत का राज्य नागालैंड जो आमतौर पर राष्ट्रीय राजनीति की सुर्खियों से दूर रहता है लेकिन इस बार देशभर की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है। इसका कारण बना नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के सात विधायकों का अपनी पार्टी छोड़कर सत्ताधारी दल नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी में विलय। यह घटनाक्रम जहां राज्य की राजनीति को एक नए संतुलन की ओर ले जा रहा है, वहीं राष्ट्रीय स्तर पर एनसीपी के भीतर गहराते टकराव को भी उजागर करता है।

नागालैंड में एनसीपी के सभी सात विधायकों ने सामूहिक बगावत कर पाला बदल लिया है। जिन विधायकों ने पाला बदला है, उनमें टेनिंग से नामरी नचांग, अटोइजु से पिक्टो शोहे, वोखा टाउन से वाई म्होंबेमो हम्त्सो, मोन टाउन से वाई मनखाओ कोन्याक, लोंगलेंग से ए पोंगशी फोम, नोक्लाक से पी लोंगोन और सुरुहोटो से एस. तोइहो येप्थो शामिल हैं। विधायकों के इस कदम से नगालैंड विधानसभा में मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो का बहुमत काफी मजबूत हो गया है। एनसीपी के सात विधायकों ने सीएम नेफ्यू की पार्टी एनडीपीपी में विलय किया है। एनसीपी ने इसे विश्वासघात बताया है और कूननी विकल्प तलाशने की बात कही है। वही पार्टी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि वह इस पूरे प्रकरण को एनडीए महागठबंधन की बैठक में उठायेगा।

विधायकों ने कहा- नहीं हो रहा था काम

एनसीपी के जिन विधायकों ने बागवत की है उनका कहना है कि सरकार में उनका कोई काम नहीं हो रहा था इसलिए उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। विधायकों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों की धीमी गति और पार्टी नेतृत्व से असंतोष के चलते एनडीपीपी में शामिल होने का निर्णय लिया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने पुष्टि की कि यह विलय संविधान के दो-तिहाई समर्थन के प्रावधान के तहत हुआ है जिससे यह दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन नहीं माना गया।

कानूनी रूप से वैध है विलय

नागालैंड विधानसभा में एनसीपी के कुल 7 विधायक थे जो नगालैंड में वर्ष 2023 के विधानसभा चुनावों में चुने गए थे। यह विधायक न तो सरकार में थे और न ही पूरी तरह से विपक्ष की भूमिका निभा रहे थे। सभी विधायकों ने अचानक एनडीपीपी का दामन थामने का सामूहिक एलान कर दिया। एनडीपीपी को भाजपा का समर्थन प्राप्त है और वह राज्य की मौजूदा सरकार चला रही है। इस विलय को विधानसभा अध्यक्ष ने भी मंजूरी दे दी है मतलब साफ है इस पूरे विलय को कानूनी रूप से वैध माना गया है।

विपक्ष खत्म मतलब लोकतंत्र पर प्रश्नचिन्ह

एनडीपीपी और भाजपा के गठबंधन वाली सरकार पहले से ही सत्ता में थी। एनसीपी विधायकों के एनडीपीपी में शामिल होने से सरकार की स्थिति और मजबूत हो गयी है। जिससे विपक्ष और कमजोर हुआ है। इस कदम से एनडीपीपी की विधानसभा में सीटों की संख्या 25 से बढ़कर 32 हो गई है जिससे उसकी स्थिति और मजबूत हुई है। यह घटनाक्रम एनसीपी के भीतर चल रहे आंतरिक विभाजन का हिस्सा बताया जा रहा है। जहां अजीत पवार और शरद पवार के नेतृत्व वाले दो गुट सामने आए हैं। नागालैंड के एनसीपी विधायकों ने अजीत पवार गुट का समर्थन किया, जिससे शरद पवार के नेतृत्व को झटका लगा है। पार्टी के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता और राष्ट्रीय महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव ने कहा है कि हम मामले की सूक्ष्म स्तर पर जांच करेंगे और अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करेंगे।

पूर्वोत्तर में ऐसा पहले भी हो चुका है

नागालैंड में जो हुआ वह असम, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में पहले ही देखने को मिल चुका है। वहां भी सत्तारूढ़ दल या गठबंधन में शामिल होने के लिए विपक्षी दलों के विधायक दल-बदल करते रहे हैं। इस रुझान से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि पूर्वोत्तर राज्यों में मजबूत विपक्ष की अनुपस्थिति लोकतंत्र की सेहत के लिए खतरा बन सकती है। यह न केवल स्थानीय प्रशासनिक जवाबदेही को कमजोर करता है बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में विपक्ष की ताकत को भी सीमित करता है।

भाजपा की होगी पौबारह

विलय और बगावत का पूरा लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिला है। बीजेपी को पूर्वोत्तर के राज्यों में एक मजबूत और स्थीय सरकार की जरूरत थी जोकि इस घटनाक्रम से पूरी हो गयी। भले ही एनसीपी के सभी एनडीपीपी में गये हो लेकिन अप्रत्यक्ष तौर पर इसका पूरा लाभ बीजेपी को ही मिल रहा है। नागालैंड में भाजपा और एनडीपीपी गठबंधन की सरकार है जिसमें इस विलय के बाद 32 विधायक हो गए हैं जिससे सरकार और अधिक स्थिर हो गई है।

केंद्र व राज्य की लड़ाई में यूपी के लोग बेहाल : अखिलेश यादव

» नए डीजीपी पर सपा प्रमुख ने की टिप्पणी- फिर मिला कार्यवाहक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सेवानिवृत्त हुए डीजीपी प्रशांत कुमार का नाम लिए बिना कटाक्ष करते हुए कहा कि वे जाते-जाते जरूर सोच रहे होंगे कि उन्हें क्या मिला, जो हर गलत को सही साबित करते रहे। यदि व्यक्ति की जगह संविधान और विधान के प्रति निष्ठावान रहते तो कम-से-कम अपनी निगाह में तो सम्मान पाते।

अखिलेश ने एक्स के माध्यम से कहा कि अब देखना ये है कि वे जो जंजाल पूरे प्रदेश में बुनकर गए हैं, नये वाले उससे मुक्त होकर निष्पक्ष रूप से न्याय कर पाते हैं या फिर उसी जाल के मायाजाल में फंसकर ये भी सियासत का शिकार होकर रह जाते हैं। दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई का खामियाजा उत्तर प्रदेश की जनता क्यों झेले। जब डबल इंजन (सरकार) मिलकर एक अधिकारी नहीं चुन सकते तो भला देश-प्रदेश क्या चलाएंगे।

उन्होंने कार्यवाहक डीजीपी मिलने पर कटाक्ष किया। बता दें प्रदेश सरकार ने वर्ष 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्णा को डीजीपी नियुक्त किया है। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष के साथ डायरेक्टर विजिलेंस की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव कृष्ण 11 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को सुपरसीड कर डीजीपी बनाए गए हैं। बता दें कि निवर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार को सेवा विस्तार नहीं मिल सका, जिसके बाद देर शाम राजीव कृष्णा को डीजीपी बनाने की घोषणा कर दी है। उन्होंने रात करीब 9 बजे डीजीपी का कार्यभार ग्रहण कर लिया। मूल रूप से गौतमबुद्धनगर के निवासी राजीव कृष्णा इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन से इंजीनियरिंग की है। उन्हें दो बार राष्ट्रपति का गैलेंट्री अवार्ड समेत कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। उनकी सेवानिवृत्ति में अभी चार वर्ष और एक माह का समय बाकी है, जिसकी वजह से वह लंबे समय तक प्रदेश के डीजीपी बने रह सकते हैं। दरअसल, प्रदेश में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद प्रदेश सरकार ने राजीव कृष्णा को भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने परीक्षा को सकुशल संपन्न कराई, जिसकी वजह से उनकी काबिलियत का लोहा मानते हुए राज्य सरकार ने उन्हें प्रदेश पुलिस का मुखिया बनाने का फैसला लिया है।

दरोगा और मुखबिर की बातचीत के वायरल ऑडियो पर सपा ने उठाए सवाल

यूपी के अमेठी में मुसाफिरखाना कोतवाली में तैनात एक सब इंस्पेक्टर का कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में दरोगा और एक स्थानीय युवक (जिसे पुलिस का मुखबिर बताया जा रहा है) के बीच अवैध हथियार की व्यवस्था करने और एक निर्दोष व्यक्ति को झूठे केस में फंसाने की साजिश की बातचीत हो रही है।ऑडियो में सब इंस्पेक्टर कथित रूप से कहता सुनाई दे रहा है, 315 का जुगाड़ करो... पैसे मुझसे ले लेना, एक-दो घंटे में चाहिए। पंडित जी को बुक करना है।% इसके अलावा वह रात में ही व्यक्ति को जेल भेजने और तमंचे के बदले एडवांस में पैसे देने की बात भी करता है। सूत्रों के अनुसार यह मामला सात मई का बताया जा रहा है। जब एक युवक को थाने बुलाकर अवैध हथियार के आरोप में फंसाने की योजना बनाई गई थी। समाजवादी पार्टी ने भी अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर इस ऑडियो को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

लगातार पांचवी बार कार्यवाहक डीजीपी

राजीव कृष्णा प्रदेश के पांचवें कार्यवाहक डीजीपी बनाए गए हैं। इससे पहले डीएस चौहान, आरके विश्वकर्मा, विजय कुमार, प्रशांत कुमार कार्यवाहक बनाए गए थे। इसकी वजह राज्य सरकार द्वारा बीते करीब तीन वर्ष से संघ लोक सेवा आयोग को पैनल नहीं भेजा जाना है।

राज बदलने के लिए बंदूक नहीं उठानी, सिर्फ वोट देना है: चंद्रशेखर आजाद

» बोले- पंचायत चुनाव में पार्टी की दिखेगी धमक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने पार्टी कार्यकर्ताओं को हर जिले में संगठन का विस्तार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि संगठन विस्तार कर प्रति इस पंचायत चुनाव में अपनी ताकत का एहसास कराएगी। दलित समाज से इसके लिए आगे बढ़कर आना होगा। पार्टी के प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज वक्फ के नाम पर मुस्लिम समाज का नंबर आया है। आगे जैन, क्रिश्चियन और अन्य समाज का नंबर आएगा, इसलिए आवाज उठाना सीखो। लड़ाई लंबी है, हमको लड़ना सीखना होगा। क्यों बार-बार ठगे जा रहे हो मियां? कह रहा हूं बार-बार मत ठगे जाओ मुस्लिम भाइयों, मेरे साथ आ जाओ। चंद्रशेखर ने कहा कि इस सरकार ने 10 साल में रामायण और वेद की कार्यशाला स्कूल में शुरू करा दी। क्या स्कूल में धार्मिक प्रचार-प्रसार उचित है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश में कहते हैं कि हमें युद्ध नहीं बुद्ध चाहिए। यह सुनकर बड़ा सुकून मिलता है। चंद्रशेखर ने कहा कि हमें पंचायत के साथ साथ 2027 के चुनाव की तैयारी करनी है। सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी के साथ संगठन को मजबूत करने पर पूरा फोकस करें। सबसे बड़ी तर्कसंगत बात यही है कि अगर संगठन नहीं मजबूत रहेगा तो हमारा वजूद नहीं रहेगा। यही हालात रहे तो 10 साल में बहुजन समाज के पास सरकारी नौकरी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग और मुस्लिम समाज पर होने वाले अत्याचारों में चिंताजनक वृद्धि हो रही है। यह न केवल संवैधानिक मूल्यों पर आघात है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करने वाला संकट है।

आकाश आनंद को मजबूरी में रखा और निकाला जा रहा

बसपा में आकाश आनंद की दोबारा वापसी पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि जनता उन्हें नकार चुकी है। मजबूरीवश उन्हें निकाला और लिया जा रहा है। उनके पास कोई विकल्प नहीं है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती का मैं सम्मान करता हूं। कांशीराम और भीमराव अंबेडकर के मिशन को अब हमारी पार्टी पूरा करेगी। चंद्रशेखर ने कहा कि बाबा साहब कहते थे कि मुर्दा लोग मिशन नहीं चलाते और जिंदा मिशन को नहीं छोड़ते। कांशीराम के संदेश और मिशन को आगे बढ़ने का काम आजाद समाज पार्टी कर रही है। एमपी-एमएलए और मंत्री बनना हमारा सपना होता, तो हमारी पार्टी के प्रथम पंक्ति में बैठे लोग आज किसी पार्टी में मंत्री होते।

पूर्व सैनिक के साथ हो रहा है अमानवीय व्यवहार : अजय राय

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने दिलाया न्याय का भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को महोली पहुंचकर पूर्व सैनिक विमल कश्यप से मुलाकात की। इंसाफ की लड़ाई में हर तरह से पूर्व सैनिक को सहयोग का आश्वासन दिया। भाजपा सरकार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि योगी सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है। सेना के जवान को पुलिस के जरिए लाठियों से पिटवा रही है। पुलिस ने 55 दिन हिरासत में रखकर पूर्व सैनिक को प्रताड़ित किया। अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि सेना के जवान जिसने अपने जीवन का लंबा समय देश की रक्षा के लिए दिया। ऐसे पूर्व सैनिक को कपड़े उतारकर पीटना पुलिस का क्रूर चेहरा दर्शाता है। इससे स्पष्ट होता है भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था का हाल बेहद खराब है। हाईकोर्ट में जब पूर्व सैनिक की मां चंद्रावती कश्यप ने याचिका दायर की तब पूर्व सैनिक पुलिस के चंगुल से छूट सका। उन्होंने कहा कि न्याय की इस लड़ाई में कांग्रेस पूरी तरह से पूर्व सैनिक के साथ है। दरअसल, महोली के पत्रकार राघवेंद्र हत्याकांड में पुलिस ने उनके मित्र पूर्व सैनिक विमल कश्यप को हिरासत में लिया था। विमल का आरोप है कि पुलिस ने 55 दिन तक हिरासत में रखकर उन्हें प्रताड़ित किया। कपड़े उतारकर उन्हें पीटा गया। कई आपत्तिजनक फोटो भी लिए। कई दिनों तक खाना भी नहीं दिया गया। हांलाकि, वारदात के 33 दिन बाद पुलिस ने खुलासा करते हुए एक पुजारी समेत तीन लोगों को जेल भेजा था। इस चर्चित हत्याकांड को अंजाम देने वाले शूटर अभी तक पुलिस की पकड़ में नहीं आ सके हैं।

भाजपा सरकार महिला विरोधी, पुलिस हो गई कार्यवाहक

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार महिला विरोधी है। मैनपुरी में भाजपा नेत्री के बेटे के 140 अश्लील वीडियो सामने आने के साथ बलिया के बब्बन, उन्नाव के कुलदीप सिंह सेंगर और मध्य प्रदेश के हाईवे कांड का हवाला देकर कहा कि भाजपा के लोग लगातार महिलाओं का अपमान कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कार्यवाहक डीजीपी क्यों बनाए जा रहे हैं, परमानेंट बनाइए न। जब पुलिस का मुखिया ही कार्यवाहक बन रहा है तो उत्तर प्रदेश की पूरी पुलिस कार्यवाहक हो गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सिंदूर की आड़ में अपनी नाकाफी छिपाने की कोशिश कर रही है। सनातन में महिला सिंदूर सिर्फ पति से लेती है। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष सांसद राकेश राठौर के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की।

उत्तर प्रदेश में कानून का राज हासिए पर : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- नए डीजीपी के सामने हैं बड़ी चुनौतियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि यूपी में कानून का राज ठीक तरह से काम नहीं कर रहा है। नवनियुक्त डीजीपी राजीव कृष्ण के सामने कानून व्यवस्था को सुधारने में बड़ी चुनौतियां आएंगी।

उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में से खासकर यूपी में सामंती व आपराधिक तत्वों का वर्चस्व होने से जातिवादी एवं साम्प्रदायिक द्वेष, हिंसा, अन्याय-अत्याचार तथा लोगों को उजाड़ने आदि की कार्रवाइयों से यह साबित है कि यहां कानून का राज सही से नहीं चल रहा है। ऐसे माहौल में यूपी पुलिस के नए प्रमुख के सामने राज्य में अपराध नियंत्रण व कानून का राज स्थापित करके सर्वसमाज के लोगों को उचित राहत पहुंचाने की बड़ी चुनौती है।

राज्य सरकार व सत्ताधारी दल के लोगों को भी यूपी में कानून का राज स्थापित करने में हर प्रकार का सहयोग व सक्रियता जरूरी है। वैसे भी भारत के बहुआयामी विकास व यहां की विशाल आबादी की समग्र उन्नति में यूपी को देश की प्रगति की रीढ़ होना चाहिए किन्तु इसके ग्रोथ इंजन बनकर उभरने के बजाय ज्यादातर अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था की बदहाली को लेकर निगेटिव चर्चाओं में रहना क्या यह जन व देशहित में उचित है?

यूपी की दुर्दशा पर विपक्ष ने खड़े किए सवाल

दिन में रेप रात में गांजा देखना हो तो यूपी आजा : अखिलेश यादव

- विपक्ष नहीं प्रबल विकल्प के तौर पर खुद को पेश कर रही है सपा
- यूपी में बेरोजगारी किसान और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सपा का फोकस
- वहीं धीरे-धीरे पीडीए नारे के सहारे राजनीतिक हल चला रही है सपा
- लगातार आक्रामक हो रहे हैं सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक बार फिर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ऐसा बयान दिया है जो योगी सरकार को असहज कर रहा है। उन्होंने यूपी में हाल में घटित रेप की घटनाओं का जिक्र करते हुए दिन में रेप रात में गांजा देखना हो तो यूपी आजा बयान दिया है। उनके इस बयान पर तालिया तो खूब बजी लेकिन सरकार की ओर से पलटवार भी जर्बदस्त हुआ है। सरकार की ओर स कहा गया है कि जिनके राज में गुंडे सरकार चलाते थे वह कानून व्यवस्था पर ज्ञान न दे। दरअस्ल यूपी में सियासत का मिजाज बहुत तेजी से बदल रहा है।

इंडिया गठबंधन हो या फिर एनडीए दोनों ही जगह सियासी स्थिति में मूल–चूल परिवर्तन की खबरें शीर्ष नेतृत्तव को असहज कर रही है। बात अगर इंडिया गठबधन की करें तो वहां कांग्रेसी सांसद इमरान मसूद को लेकर बाते हो रही है तो एनडीए में अनुप्रिया पटेल और ओम प्रकाश राजभर समेत दूसरे नेताओं की कार्यशैली को लेकर माथे पर चिंता की लकीरे उभरी है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का ताजा बयान सपा की नई आक्रामक रणनीति का संकेत है। सपा यह साबित करना चाहती है कि अब वह केवल विपक्ष नहीं बल्कि एक प्रबल विकल्प है। योगी सरकार की मजबूत पकड़ के बावजूद सपा की पीडीए रणनीति युवाओं के मुद्दों और जातीय संतुलन के सहारे आगामी चुनावों में बड़ी चुनौती बन सकती है।

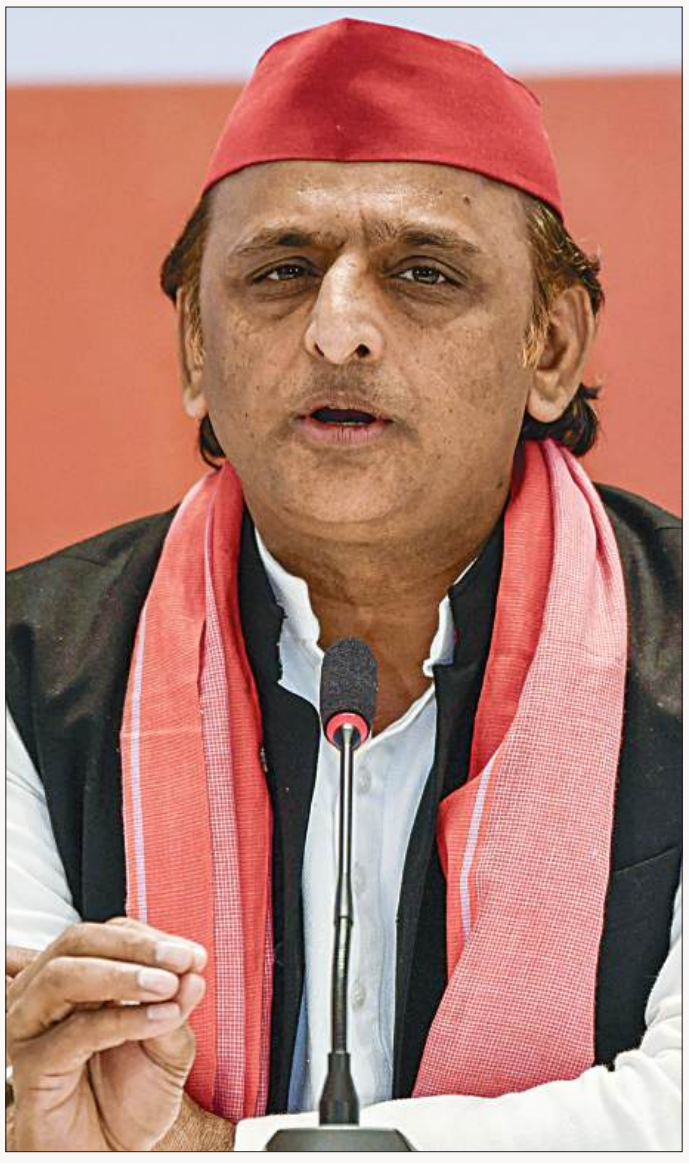

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कई मोड़

अखिलेश यादव का बांकेबिहारी मंदिर ट्रस्ट को लेकर दिया गया बयान उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ लाया है.। उनके आरोपों ने बीजेपी को कटघरे में खड़ा किया है और मंदिर प्रबंधन जैसे संवेदनशील मुद्दे को जनता के सामने लाकर एक नई बहस छेड़ दी है। जहां बीजेपी इसे मंदिरों में सुधार और पारदर्शिता का कदम बता रही है। वहीं अखिलेश इसे भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग का मामला बता रहे हैं। वहीं आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह मुद्दा किस दिशा में जाता है, क्या यह धार्मिक समुदायों और जनता के बीच बीजेपी के खिलाफ असंतोष को बढ़ाएगा या फिर बीजेपी इसे अपने पक्ष में मोड़कर धार्मिक सुधार के अपने एजेंडे को मजबूत करेगी। फिलहाल अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को उठाकर बीजेपी को एक कठिन सवाल के सामने लाकर खड़ा कर दिया है वहीं अब देखना होगा की बीजेपी इस चुनौती का सामना कैसे करती है।

ठोस विपक्षी नेता की भूमिका में लौटे

बीजेपी झूठ और नफरत के प्रचार से चुनाव जीतना चाहती है पर अब जनता जाग चुकी है। इन बयानों से साफ है कि अखिलेश यादव एक ठोस विपक्षी नेता की भूमिका में लौट आए हैं और योगी सरकार के हर मोर्चे पर निशाना साध रहे हैं।

अखिलेश यादव के हालिया बयान

योगी सरकार में पुलिस अपराधियों की पार्टनर बन गई है।नए संसद भवन में संविधान की जगह मनुवाद घुसाया गया है।यूपी में नौकरी मांगने पर लाठी और बुलडोजर मिलता है।डबल इंजन सरकार डबल भ्रष्टाचार की गारंटी है।युवाओं को रोजगार नहीं पेपर लीक मिल रहा है। बुलडोजर कानून नहीं डर फैलाने का हथियार बन गया है। वर्ष 2027 के चुनाव में पीडीए ही भाजपा को हराएगा।

सिर्फ नारों तक सीमित नहीं है सपा की रणनीति

सपा की रणनीति केवल नारों तक सीमित नहीं है। वह लगातार जमीनी मुद्दों को उठा रही है। अखिलेश यादव लगातार पेपर लीक कांड को मुद्दा बना रहे हैं। उन्होंने कहा है कि पेपर छपने से पहले ही लीक हो जाता है जिससे युवाओं को अपमान झेलना पड़ता है। कानून व्यवस्था पर अखिलेश यादव हमलावर है और लगातार महिला अपराधों और एनकाउंटर राजनीति को लेकर बयान दे रहे हैं। महंगाई और किसानों के मुददे को भी सपा लगातार हवा दे रही है। सपा ने एमएसपी, डीजल-पेट्रोल की कीमतें और गन्ना भुगतान जैसे मुद्दों को लेकर लगातार सरकार पर सवाल उठाए हैं।

अपना दल कमेरावादी

अपना दल कमेरावादी सपा के साथ है और उसकी प्रमुख पल्लवी पटेल अखिलेश यादव की पीडीए रणनीति की एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

अपना दल-एस

अपना दल एस की प्रमुख अनुप्रिया पटेल जोकि सोने लाल पटेल की राजनीतिक विरास को लंबे समय से चला रही है और वह एनडीए का हिस्सा भी है। राजनीतिक खबरों पर यकीन करें तो वह इस बार कुछ असहज है और भविष्य की राजनीति को लेकर कुछ बड़ा एलान कर सकती है।

क्षेत्रीय दलो की बदल सकती है रणनीति

सुभासपा मौजूदा समय में सरकार के साथ है और ओम प्रकाश राजभर कैबिनेट मिनिस्टर है। इस बार वह संभल कर चल रहे हैं और अभी तक कोई गल्ती जाहिर तौर पर नहीं की है लेकिन वह अपनी भूमिका तलाश रहे हैं। वे सामाजिक न्याय की राजनीति के नाम पर अखिलेश के पीडीए एजेंडे से जुड़ सकते हैं।

क्या सपा बन सकती है बीजेपी का मजबूत विकल्प?

2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए समाजवादी पार्टी ने खुद को एक बड़े विकल्प के रूप में पेश करना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी अगले विधान चुनाव को आपरेशन त्रिकोण से साधने की रणनीति पर चल रही है।

सीएम योगी का पलटवार

अखिलेश के विवादास्पद बयान के तुरंत बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी पलटवार किया। उन्होंने कहा है कि जिनके राज में गुंडे थाने चला रहे थे वो आज कानून व्यवस्था पर भाषण दे रहे हैं। जनता को सच्चाई मालूम है। आज यूपी में कानून का राज है माफियाओं की दुकानें बंद हो गई हैं। सीएम योगी ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी की पहचान ही अपराधियों, दंगाइयों और जातिवादी राजनीति से रही है। उन्होंने सपा को शोषणवाद पार्टी करार दिया और पीडीए के नारे को समाज को बांटने का प्रयास बताया।

जनता की भावनाएं भड़काने की कोशिश कर रही बीजेपी

अखिलेश ने यह भी सवाल उठाया कि क्या सरकार का यह कदम मंदिरों की संपत्ति..... और दान के धन पर नियंत्रण करने की कोशिश है.और उन्होंने कहा कि धर्म भलाई के लिए होता है, कमाई के लिए नहींयह बयान बीजेपी के लिए एक तीखा हमला है।. क्योंकि उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दों को अपनी राजनीति का आधार बनाती रही है हालांकि बीजेपी ने अभी तक अखिलेश के उन आरोपों का स्पष्ट जवाब नहीं दिया। जिनमें उन्होंने मंदिरों में भ्रष्टाचार और बेलपत्र बेचने जैसे दावों का जिक्र किया। वहीं यह बीजेपी के लिए परेशान करने वाला हो सकता है.। क्योंकि उत्तर प्रदेश में धार्मिक स्थलों का प्रबंधन एक संवेदनशील मुद्दा है और इसे लेकर जनता की भावनाएं गहरी जुड़ी हुई हैं।अखिलेश यादव ने अपने बयान में बीजेपी पर मंदिरों के प्रबंधन को अपने नियंत्रण में लेने का आरोप लगाया। और उन्होंने कहा कि सरकार मंदिरों के प्रबंधन के नाम पर अपने लोगों को महत्वपूर्ण पदों पर बिठा रही है। जिससे परंपरागत सेवकों की आस्था और समर्पण का अपमान हो रहा है, जो लोग सैकड़ों वर्षों से मंदिरों की सेवा में लगे हैं। उन्हें न केवल उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, बल्कि उन पर अविश्वास भी जताया जा रहा है, अखिलेश ने दावा किया कि बीजेपी की यह रणनीति मंदिरों के दान-पुण्य के धन को अपने हितों के लिए उपयोग करने की है जिसे उन्होंने धन की अत्यधिक लालसा करार दिया। आपको बता दें कि मंदिरों में श्रद्धालु जो दान-पुण्य करते हैं। उसका उपयोग मंदिर के दर्शन, प्रसाद, सुरक्षा, और धर्मशाला जैसे कार्यों में होना चाहिए लेकिन बाहरी और पेशेवर लोग इसे लाभ-हानि के नजरिए से देखते हैं जिससे मंदिरों की पवित्रता और आस्था पर आघात पहुंचता है अखिलेश ने यह भी कहा कि कुछ मामलों में प्रशासनिक लोगों ने मंदिरों में चढ़ाए गए। बेलपत्रों तक को बेचने का काम किया है। जो भ्रष्टाचार का स्पष्ट उदाहरण है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

घोषणाओं के साथ वास्तविकता पर भी ध्यान दे सरकार

खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा खरीफ की बुवाई से पहले ही करने को किसानों के हित में सकारात्मक पहल के रुप में देखा जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार द्वारा एक तो समय पूर्व समर्थन मूल्यों की घोषणा की जा रही है वहीं दूसरी और भविष्य की रणनीति के तहत आवश्यकतानुसार उत्पादन बढाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये जा रहे हैं।

केन्द्र सरकार ने एकबार फिर फसलों पर एमएसपी बढ़ाने की घोषणा है। ये अच्छी घोषणा है पर इसपर ध्यान देना होगा कि इसका लाभ किसानों को मिले। पहले भी इसकी घोषणा हो चुकीं हैं पर अन्नदाताओं को इसका फायदा उतना नही मिला जितना मिलना चाहिए। चाकचौबंद व्यवस्था ने होने इसे कमिशनखोरी, घटतौली की शिकायतें आती रहती हैं इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में भुगतान को लेकर धांधली की खबरें आती रहती हैं। सरकारों को ध्यान देना होगा की किसानों के लिए घोषणा की गई हैं ठीक कार्यान्वित हो रही है कि नहीं। खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा खरीफ की बुवाई से पहले ही करने को किसानों के हित में सकारात्मक पहल के रुप में देखा जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार द्वारा एक तो समय पूर्व समर्थन मूल्यों की घोषणा की जा रही है वहीं दूसरी और भविष्य की रणनीति के तहत आवश्यकतानुसार उत्पादन बढाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये जा रहे हैं। सरकार द्वारा श्री अन्न को जहां अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का सफल प्रयास किया गया है वहीं देश को दलहन और तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं।

सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आगामी खरीफ के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्यों में रामतिल के भावों में सर्वाधिक 820 रु. की बढ़ोतरी करते हुए 9537 रु. प्रति क्विंटल एमएसपी घोषित की गई है। इसी तरह से तिल की एमएसपी में 579 रु., सोयाबीन में 436 रु., सूरजमुखी में 441 रु. और मूंगफली की एमएसपी में 480 रु. की बढ़ोतरी की गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि जहां तक एमएसपी दरों की घोषणा की बात है सरकार की ईच्छा शक्ति पर किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकता है। सरकार का यह भी दावा है कि एमएसपी घोषणा करने से पहले सरकार ने फसलों की लागत के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा है और लागत से कहीं अधिक एमएसपी दर जारी की गई है। कुल मिलाकर सिर्फ दाम बढ़ाने की घोषणा से ही किसानों का भला नहीं होगा। इन घोषणाओं के बाद की समस्याओं का भी ध्यान देना जरूरी है। दरअसल देखने में आता है कि सरकार की ओर से कई योजनाओं की घोषणा कर दी जाती है उसके बाद उसकी मानीटरिंग नही की जाती है। ऊपर बैठे अधिकारी योजना शुरू करने के बाद ये सोचते हैं कि ये योजना आम जन तक बहुत सही तरीके से पहुंच रही है जबकि हकीकत में ऐसी योजनाओं का हाल कुछ अलग होता है। कागजों पर उम्दा बताई जाने वाली योजनाएं हकीकत में बहुत गलत तरीके जमीन में उतारी जाति है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

त्याग में अपना ही नहीं, अपनों का भी भला

कृष्ण प्रताप सिंह

यह डरावना आंकड़ा न केवल चिंता उत्पन्न करता है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि विविध प्रकार के तंबाकूजन्य नशों का या तो पूरी तरह उन्मूलन किया जाना चाहिए या कम से कम उन्हें न्यूनतम स्तर तक सीमित किया जाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु वर्ष 1988 से हर वर्ष आज के दिन विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस संदर्भ में यह जानना भी प्रासंगिक है कि तंबाकूजन्य मौतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1987 में इस दिवस को मनाने की परंपरा शुरू की थी। प्रारंभ में इसे 7 अप्रैल को मनाया गया, लेकिन उसी वर्ष 31 मई को संगठन द्वारा एक प्रस्ताव पारित कर इसे स्थायी रूप से 31 मई को मनाने का निर्णय लिया गया।

प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है, जिसके माध्यम से लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाता है और उन्हें इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। यह भी बताया जाता है कि तंबाकू का सेवन केवल उपभोक्ता के लिए ही नहीं, बल्कि उनके आसपास रहने वाले लोगों के लिए भी घातक है। विडंबना यह है कि इन प्रयासों के बावजूद विश्वभर में बड़ी संख्या में लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं और वे इसकी लत से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। यदि हम भारत की बात करें तो यहां तंबाकू उत्पादों के पैकेटों पर वैधानिक चेतावनियां प्रमुखता से अंकित की जाती हैं और अवयस्कों को इनकी बिक्री पर कानूनी रोक भी है। फिर भी, लगभग हर आयु वर्ग और लिंग के लोग इस लत के शिकार हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि नशा खत्म तो दूर, अपेक्षित रूप से घटता भी नहीं दिख रहा। विशेषज्ञों द्वारा बार-बार यह बताया जाता है कि तंबाकू का सेवन फेफड़े, यकृत, मुंह और गर्भाशय के कैंसर के अलावा अनेक यौन और हृदय रोगों का प्रमुख कारण बन सकता है, पर इसका अपेक्षित असर होता नहीं दिखता। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में 15 वर्ष से अधिक आयु के 38 प्रतिशत से अधिक पुरुष तंबाकू का सेवन करते हैं।

महिलाओं में यह आंकड़ा लगभग 9 प्रतिशत है। 15 से 49 वर्ष की आयु की 1 प्रतिशत महिलाएं और 19 प्रतिशत पुरुष शराब का सेवन करते हैं। स्पष्ट है कि समस्या केवल तंबाकू तक सीमित नहीं, बल्कि शराब की लत भी चिंताजनक स्तर पर मौजूद है। यह निष्कर्ष देश के 28 राज्यों और आठ

केंद्रशासित प्रदेशों के 707 जिलों में 6.37 लाख परिवारों के सर्वेक्षण पर आधारित है। यह बताता है कि नशे की समस्या को रोकने या सीमित करने हेतु एक दीर्घकालिक और कारगर रणनीति की आवश्यकता है, जिसका एक सिरा शिक्षा से भी जुड़ता है। क्योंकि आंकड़ों के अनुसार, भले ही तंबाकू सेवन हर वर्ग में पाया जाता है, लेकिन अशिक्षितों में इसकी प्रवृत्ति कहीं अधिक गंभीर है। स्कूल न जाने वाले या पांचवीं कक्षा से कम शिक्षा प्राप्त पुरुषों में लगभग 58 प्रतिशत और महिलाओं में 15 प्रतिशत इस लत के शिकार हैं। ग्रामीण भारत में यह समस्या और भी गहरी होती जा रही है। विशेष रूप से वंचित समुदाय इसके सबसे बड़े शिकार हैं। पूर्वोत्तर, उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्यों में तंबाकू और अन्य नशों का प्रयोग अत्यधिक है। पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों में भी स्थिति चिंताजनक है। यह भी समझना जरूरी है कि तंबाकू का प्रभाव केवल उपभोक्ता पर नहीं पड़ता, बल्कि उसके आसपास रहने वालों के लिए भी यह अत्यंत हानिकारक है। तंबाकूजन्य बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति को मृत्यु से पूर्व अनेक गंभीर पीड़ाओं और भारी चिकित्सा खर्चों का सामना करना पड़ता है। स्पष्ट है कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस तभी सार्थक सिद्ध होगा जब देश में नशे के विरुद्ध एक सुसंगत राष्ट्रीय नीति बनाई जाए और उसे लागू करने के लिए सरकारें पर्याप्त साहस और राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाएं। साथ ही, विश्व स्वास्थ्य संगठन को वैश्विक स्तर पर जनस्वास्थ्य की रक्षा हेतु दीर्घकालिक और प्रभावशाली नीतियों का निर्माण कर उन्हें लागू करना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर के 1.3 अरब तंबाकू उपयोगकर्ताओं में से लगभग 80 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं, जहां तंबाकूजन्य बीमारियों और मृत्यु दर की स्थिति सबसे खराब है।

यह लत लोगों को रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी जरूरतों पर खर्च करने की बजाय तंबाकू उत्पादों पर खर्च करने को विवश कर देती है, जिससे गरीबी को भी बढ़ावा मिलता है। एक अनुमान के अनुसार, विश्व स्तर पर तंबाकू सेवन से हर साल लगभग 105.4 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष नुकसान होता है, जबकि अप्रत्यक्ष हानि इससे कई गुना अधिक हो सकती है। तंबाकू से बचाव केवल हमारे और हमारे प्रियजनों के वर्तमान की ही नहीं, बल्कि भविष्य की भी रक्षा है और इस बचाव का कोई विकल्प नहीं है।

रोजगार आर्थिकी की राह तय करेंगे एमएसएमई

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित रिपोर्टों में एमएसएमई की बढ़ती मुश्किलों पर टिप्पणियां करते हुए इन्हें बढ़ती चुनौतियों से बचाने की जरूरत बताई जा रही हैं। हाल ही में प्रकाशित सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एमएसएमई की क्रेडिट मांग व पूर्ति में 30 लाख करोड़ रुपये का अंतर है। मांग के मुताबिक लोन मिलने पर एमएसएमई के तहत 5 करोड़ नए रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट , तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं।

देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसदी है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसदी उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। अतएव नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है। यद्यपि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच अमेरिका के द्वारा भारत पर घोषित किए गए 26 फीसदी टैरिफ पर 90 दिनों के विराम ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई को कुछ राहत अवश्य दी है, लेकिन अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश एमएसएमई निर्यातक अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नए सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों से अपने बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी मान रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले माह 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है।

साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर 17.5 लाख करोड़ रुपये किया गया है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र भी नए व्यापार युग की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि एमएसएमई के लिए निर्मित होने वाली विभिन्न चुनौतियों के मद्देनजर मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के उद्देश्य से बहुआयामी उपायों की एक शृंखला प्रस्तुत की है। इसके तहत वित्तीय सहायता और खरीद नीतियों से लेकर क्षमता निर्माण और बाजार एकीकरण तक की पहलें शामिल हैं। प्रमुख पहलों में उद्यम पंजीकरण पोर्टल, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएमईजीपी, स्फूर्ति और एमएसएमई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को प्रोत्साहन देना, रोजगार बढ़ाना और अनौपचारिक क्षेत्रों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना है। उद्योगों का विस्तार करने और दक्षता में सुधार करने में मदद करने के लिए, एमएसएमई वर्गीकरण के लिए निवेश और टर्नओवर सीमा बढ़ा दी गई है। निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं। लेकिन पाकिस्तान से युद्ध के माहौल और ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हरसंभव उपाय से मजबूत बनाना होगा।

नए सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लाना होगी। इससे भारत की एमएसएमई उतार-चढ़ाव भरे सफर को आगे बढ़ा सकेगी। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि बुनियादी ढांचे की मजबूती, अधिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं, कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराये जाने, ब्याज समतुल्य योजना को फिर से शुरू किया जाने तथा ऋण गारंटी कार्यक्रमों का विस्तार करने जैसे उपायों से एमएसएमई को वित्तीय राहत और स्थिरता प्रदान की जा सकती है।

मुल्तानी मिट्टी

आप दिनभर के कामों में इतना व्यस्त हो जाती हैं कि खुद का ख्याल रखना ही भूल जाती हैं जिसका असर सबसे पहले चेहरे पर देखने को मिलता है। कभी आंखों के नीचे काले घेरे घर कर लेते हैं तो कभी गालों पर पिंपल्स, लेकिन समय के अभाव के चलते आप खुद के लिए कुछ भी नहीं कर पाती हैं। अगर आप ग्लोइंग स्कि चाहती हैं तो रात को सारा काम निपटाने के बाद हमारे बताए फेस पैक को ट्राई करें और फिर देखे सुबह तक कैसे आपका चेहरा चमक उठता है। यदि आपकी त्वचा ऑयली है, तब तो आप आसानी के इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। मुल्तानी मिट्टी के इस्तेमाल से चेहरे की डीप क्लींजिंग होती है। ये चेहरे के पोर्स को साफ करता है, जिसकी वजह से पसीने और धूल से छुटकारा मिलता है। इसके इस्तेमाल की बात करें तो ठंडे दूध या गुलाब जल के साथ मिलाकर आप इसे अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। इस पैक का इस्तेमाल भी चेहरे की जरूरत के हिसाब से ही करें। हफ्ते में दो बार पैक के इस्तेमाल से आपको राहत मिल जाएगी।

चेहरे को गर्मी से राहत दिलाएंगे ये प्राकृतिक पाउडर

गर्मीयों के महीने में इतनी तेज धूप पड़ती है, कि लोग खुद को कवर करके घर से बाहर निकलना पड़ता है। तेज धूप और गर्मी की वजह से स्किन पर टैनिंग होने लगती है, जिससे चेहरा भी डल दिखने लगा है। आजकल हर कोई अपनी स्किन हेल्थ को लेकर कॉन्शियस है और समस्याओं के जल्दी समाधान के लिए केमिकल वाले प्रोडक्ट और दवाइयों का इस्तेमाल कर रहा है। चेहरे पर निखार पाने के लिए ये एक उपाय हो सकता है, लेकिन सिर्फ एक उपाय नहीं है। जी हां, ऐसे कई प्राकृतिक और घरेलू उपचारों हैं जिनकी मदद से आप अपनी स्किन को ग्लोइंग बना सकते है। इसी के चलते सभी को अपना ध्यान रखने की जरूरत है। ऐसे में प्राकृतिक पाउडरों के इस्तेमाल से आप चेहरे की गर्मी से राहत पा सकते हैं। इनके इस्तेमाल के लिए आपको बस एक बार पैच टेस्ट करने की जरूरत होती है, जिसके बाद आपके चेहरे की कई परेशानियां खुद ब खुद दूर हो जाएंगी।

नीम का पाउडर

नीम के फायदे के बारे में, तो आपने हजारों बार सुना होगा लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि इसका पाउडर भी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। नीम का पाउडर शरीर को स्वस्थ रखने के साथ कई परेशानियों को दूर करता हैं। इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण शरीर के लिए बहुत लाभदायक माने जाते हैं। नीम पाउडर में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है, जो कई बीमारियों को आसानी से दूर करता हैं। यदि आप मुंहासों के परेशान हैं तो नीम के पाउडर का इस्तेमाल करें। इसमें पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल गुण, मुहांसों को कम करते हैं। इसके अलावा ये त्वचा पर जमने वाले अन्य बैक्टीरिया को भी खत्म करने का काम करता है। बात करें इसे इस्तेमाल करने की तो इसे आप गुलाब जल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगा सकते हैं। इसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा खिल उठेगी। नीम का पाउडर बनाने के लिए इसकी पत्तियों को सुखाकर इसका पाउडर बनाया जा सकता हैं।

चंदन पाउडर

गर्मी के मौसम में बाजार में कई ऐसे स्किन केयर प्रोडक्ट्स मिलते हैं, जिनमें चंदन पाउडर मिक्स होता है। चंदन पाउडर स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। चंदन पाउडर लगाने से त्वचा से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। आप चंदन पाउडर में गुलाब जल, दूध, एलोवेरा आदि मिलाकर लगा सकते हैं। चंदन पाउडर की तासीर ठंडी होती है। चंदन पाउडर त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करता है। यह एलर्जी की समस्या से भी बचाता है। दरअसल, बदलते मौसम में त्वचा से जुड़ी कई समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अगर आप रोजाना चेहरे पर चंदन पाउडर पेस्ट लगाएंगे, तो इससे त्वचा की रंगत में भी सुधार होगा और कई समस्याएं भी दूर होंगी। खासतौर पर यदि आपके चेहरे पर गर्मी की वजह से दाने निकल रहे हैं तो गुलाब जल के साथ चंदन पाउडर को मिलाकर उसे फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। आप इस पैक को हफ्ते में कम से कम दो बार लगा सकते हैं।

हंसना मना है

टीचर- बेटा अगर सच्चे दिल से प्रार्थना की जाए तो वो सफल जरूर होती है। छात्र- रहने दीजिए सर, अगर ऐसा होता तो आज आप मेरे सर नहीं, ससुर होते...

हंसी के लिए गम कुर्बान, खुशी के लिए आंसू कुर्बान, दोस्त के लिए जान भी कुर्बान, और, अगर दोस्त की गर्लफ्रेंड मिल जाये तो, दोस्त भी कुर्बान।

व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्तिः बचाओ गणेश जी बचाओ, गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्तिः आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जीः तू भी तो मेरे विसर्जन में नाचता है।

पप्पू जब इतिहास का पेपर स्कूल में परीक्षा के समय देने जाता था तो जो सवाल नहीं आता था उसको पप्पू खाली छोड़ देता था... लेकिन गलत लिख के कभी इतिहास से छेड़छाड़ नहीं करता था....

पत्नी- सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी- अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

कहानी | संघर्ष ही शक्ति को विकसित करता है

एक बार एक आदमी ने अपने बगीचे में एक तितली के कोकून को देखा। वह उसे देखने लगा, उसने नोटिस किया कि उस कोकून में एक छोटा सा छेद बन हुआ है, उसने देखा की छोटी तितली उस छेद से बाहर निकलने की बहुत कोशिश कर रही थी। बहुत देर तक कोशिश करने के बाद भी वो उस छेद से बाहर नहीं निकल पा रही थी, वह बहुत कोशिश करती रही, फिर वह शांत सी हो गयी, उस आदमी को लगा जैसे उसने हार मान ली हो। इसलिए उस आदमी ने उस तितली की मदद करने के उद्देश्य से एक कैंची उठायी और कोकून की छेद को बड़ा कर दिया जिससे तितली आसानी से बाहर निकल पाए और यही हुआ, तितली बिना किसी संघर्ष के आसानी से बाहर निकल गयी, पर उसका शरीर सूजा हुआ था, और पंख सूखे हुए थे। उस आदमी को लगा कि वो तितली अपने पंख फैला कर उड़ने लगेगी, पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। बल्कि कुछ समय बाद ही वह मर गयी। इसका उसे काफी दुःख हुआ। उस आदमी ने अपने बुजुर्ग को यह सारी बात बताई, बुजुर्ग ने बताया असल में कोकून से निकलने की प्रक्रिया को प्रकृति ने इतना कठिन इसलिए बनाया है, जिससे ऐसा करने से तितली के शरीर में मौजूद तरल पदार्थ उसके पंखों में पहुंच सके, और वो छेद से बाहर निकलते ही उड़ पाए। जिंदा रह सके। और तुमने उस की मदद करके उसकी सामान्य प्रक्रिया को तोड़ दिया। जिसके कारण उसका यह हश्र हुआ।

कहानी से शिक्षा- दोस्तों असल में कभी-कभी हमारे जीवन में संघर्ष ही हमे वो मज़बूती प्रदान करता है, जिससे हम आगे बढ़ सके, क्योंकि यदि हमे बिना संघर्ष के जीवन में कुछ मिलेगा तो हम अपंग हो जायेंगे और यदि सफल भी हो गये तो ज्यादा समय तक सफल नही रह पाएंगे।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

वृषभ पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

मिथुन वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा। फालतू खर्च होगा।

कर्क आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा।

कन्या काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा। यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

तुला आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवाद न करें।

धनु सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

मकर किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी।

कुम्भ ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा।

मीन किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता में कमी होगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर बॉलीवुड के 'सन्नाटे' पर जावेद की खरी-खरी

मशहूर गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। राष्ट्रीय मुद्दों पर अक्सर खरी-खरी कहने वाले जावेद अख्तर ने हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बॉलीवुड हस्तियों की चुप्पी पर बात की है। जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान को भारत ने आईना दिखाया। भारतीयों ने जहां सरकार के इस कदम की प्रशंसा की। वही, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बॉलीवुड हस्तियों की चुप्पी साधी रखी। हाल ही में जावेद साहब ने इस बारे में बात की। जावेद अख्तर ने कहा, नामी एक्टर और फिल्म निर्माता इस 'ऑपरेशन सिंदूर' पर टिप्पणी करने या सार्वजनिक रूप से सरकार के कोशिशों की सराहना करने से क्यों बच रहे हैं? हालांकि, जावेद अख्तर वो शख्स हैं, जिन्होंने खुद अक्सर आतंकवाद के खिलाफ सरकार के कड़े रुख की प्रशंसा कर चुके हैं। उन्होंने बॉलीवुड सेलेब्स की चुप्पी को दो टूक जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने इसके बारे में बात की, मैं चुप नहीं रहा। कभी-कभी लोग मेरी बात पसंद नहीं करते, कभी-कभी करते हैं। लेकिन मैं वही कहता हूं जो मुझे सच लगता है। अब कौन नहीं बोलता, मुझे कैसे पता चलेगा? कई लोग अपोलिटिकल भी होते हैं।' जावेद अख्तर ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए आगे कहा, 'देखिए, जब मैं यंग था, भले ही मैं एक राजनीतिक रूप से जागरूक और बहुत मुखर परिवार से आया था। लेकिन जब मेरी फिल्में एक के बाद एक हिट हो रही थीं, मुझे राजनीति में क्या चल रहा था, इसका कोई अंदाजा नहीं था। शायद मैंने अखबार भी नहीं पढ़ा।

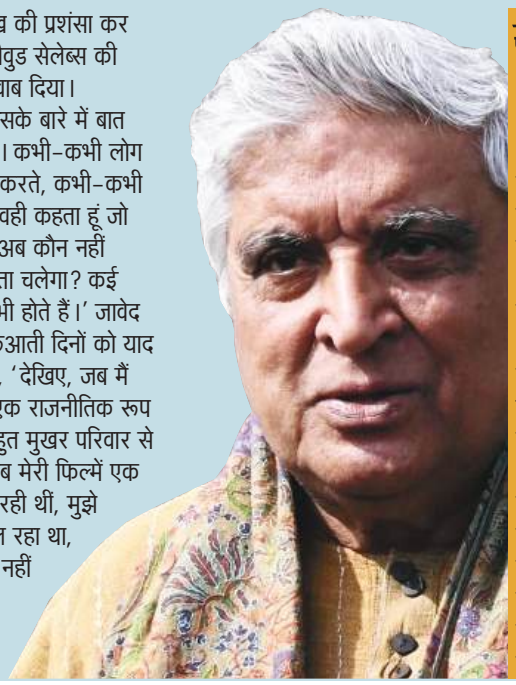

सरकारी नीति या किसी नियम के खिलाफ आप बोल पाए हैं?

जावेद ने कलाकारों से हमेशा स्टैंड लेने की उम्मीद करने की पाखंडिता को उजागर किया, जबकि अन्य खुद ऐसा करने से कतराते हैं। 'और अगर आप कहते हैं कि एक व्यक्ति को हर मुद्दे पर बोलना चाहिए तो खड़े हो जाइए और मुझे बताइए, पिछले 15 सालों में, आप एक बिजनेसमैन हैं, क्या आपने कभी किसी सरकारी नीति, कराधान, या किसी नियम के खिलाफ बोला है जो आपको पसंद नहीं आया? फिर आप क्यों कह रहे हैं कि अन्य लोग नहीं बोलते? क्या आप बोलते हैं? जैसे ही आपको थोड़ा भी डर लगता है, आप चुप हो जाते हैं। किसी से तभी बोलने की उम्मीद करनी चाहिए जब वे खुद बोलते हैं। जब बोलना सुविधाजनक हो तो बोलना आसान है़ जोखिम होने पर बोलने की कोशिश करें।'

सुरवीन चावला भी हुई थीं कास्टिंग काउच का शिकार

सिने जगत के लगभग सभी बड़े सितारों ने कभी-न-कभी कास्टिंग काउच का सामना किया है। कुछ सितारों ने बोलने की हिम्मत दिखाई, तो कई ने चुप्पी साध ली। अब एक पॉपुलर एक्ट्रेस ने शादी के बाद कास्टिंग काउच का तकलीफ भरा अनुभव बयां किया। एक्ट्रेस आजकल अपने शो क्रिमिनल जस्टिस 4 की वजह से सुर्खियों में है, जिसमें वे अहम रोल निभा रही हैं। एक्ट्रेस सुरवीन चावला अपने दमदार अभिनय और बेबाकी के लिए मशहूर हैं। एक्ट्रेस ने एक बार फिर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के काले पहलुओं पर खुलकर बात की है। उन्होंने कास्टिंग काउच पर कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं, जिसमें एक घटना का जिक्र है जहां एक डायरेक्टर ने एक मीटिंग के बाद उन्हें किस करने की कोशिश की थी।

सुरवीन चावला ने द मेल फेमिनिस्ट को दिए इंटरव्यू में शादी से पहले और बाद में कई बार उत्पीड़न का सामना करने के बारे में बताया। इसमें एक खास घटना भी शामिल है, जहां एक डायरेक्टर ने प्रोफेशनल मीटिंग के बाद उन्हें किस करने की कोशिश की।

सुरवीन ने कहा, मुझे कई बार कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा है। मैं आपको मुंबई के वीरा देसाई रोड की एक कहानी बताती हूं। उनके ऑफिस केबिन में मीटिंग के बाद वह मुझे गेट तक छोड़ने आए। ऐसा तब हुआ, जब मैं शादीशुदा थी।

अजीब बात यह थी कि हमने इस बारे में मीटिंग में भी बात की थी। सुरवीन ने उस पल को याद करते हुए कहा, उन्होंने मुझसे पूछा कि सब कैसा चल रहा है और मेरे पति क्या करते हैं और हम उनके केबिन में अकेले बात कर रहे थे क्योंकि उनका ऑफिस बड़ा था। जब मैं दरवाजे पर अलविदा कहने आई, तो वह मेरी ओर झुककर किस करने की कोशिश करने लगे और मुझे उन्हें पीछे धकेलना पड़ा। मैं चौंक गई और उनसे पूछा कि वह क्या कर रहे हैं और फिर मैं वहां से चली गई।

बॉलीवुड | मन की बात

एक्टिंग तो मेरे खून में है, और यही मेरी खूबी है : अंशुला कपूर

बोनी कपूर की बेटी और अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर अब एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अंशुला प्राइम वीडियो की सीरीज 'द ट्रेटर्स' से डेब्यू करने वाली हैं। इस सीरीज को करण जौहर होस्ट करेंगे। होस्ट करण जौहर ने शुक्रवार को सीरीज के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अंशुला से पूछा कि क्या आप गेम में आगे बढ़ने के लिए किसी को धोखा दे सकती हैं? इसके जवाब में अंशुला ने बताया, 'आपने मुझे मासूम और शांत कहा, मैं ऐसी दिख सकती हूं, मैं प्यारी भी दिख सकती हूं, लेकिन एक्टिंग तो मेरे खून में है। मैं आत्मविश्वास से भरपूर हूं और यही मेरी खूबी है।' ट्रेलर लॉन्च के दौरान करण जौहर ने बताया कि यह शो झूठ, धोखे और ड्रामे से भरा है। वह न सिर्फ गेम को कंट्रोल करेंगे, बल्कि 20 प्रतियोगियों के बीच होने वाले झगड़े और साजिशों को भी करीब से देखेंगे। प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल माधोक ने कहा, 'प्राइम वीडियो पर हम हमेशा कुछ नया और अलग पेश करने की कोशिश करते हैं। 'द ट्रेटर्स' के साथ हम एक ऐसे फॉर्मेट में उतर रहे हैं जैसा भारत ने पहले कभी नहीं देखा। ट्रेलर तो सिर्फ एक झलक है। यह एंटरटेनमेंट को एक नए लेवल पर ले जाएगा। यह ट्रस्ट और धोखे की सबसे बड़ी परीक्षा है, जहां खिलाड़ी हर वक्त शक और साजिश के माहौल में खेलते हैं और उनका माइंड ही उनका सबसे बड़ा हथियार होता है। हमें इस शानदार प्रोजेक्ट पर काम करने की खुशी है।' इंटरनेशनल लेवल पर मशहूर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' में बतौर कंटेस्टेंट भारतीय वर्जन में 20 मशहूर हस्तियां हैं, जिनमें अंशुला कपूर के साथ अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरौजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और ऊर्फी जावेद समेत अन्य के नाम शामिल हैं। ये 20 कंटेस्टेंट राजस्थान के शानदार सूर्यगढ़ पैलेस में नकद पुरस्कार और खिताब जीतने के लिए सीरीज में भाग लेंगे। बता दें कि ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि भाई अर्जुन कपूर की तरह अंशुला का करियर भी ठप हो जाता है या वह भाई अर्जुन को सफलता के मामले में मात देती है।

चीटियां बताती हैं आने वाले मौसम का हाल इनसे अच्छे और बुरे का भी मिलता है संकेत

सागर। बारिश कब होगी, कितनी होगी, कहां होगी, इसका पता आज हम इंटरनेट के जरिए चंद सेकंड में लगा लेते हैं लेकिन क्या आपने कभी सोचा है, जब आधुनिक उपकरण आदि नहीं थे, लोगों के पास टीवी-रेडियो नहीं हुआ करते थे, तब उस समय वे कैसे बारिश का पूर्वानुमान लगाते होंगे। इस बारे में जब हम अपने बड़े-बुजुर्गों से बात करते हैं, तो वे हमें बताते हैं कि उनके पूर्वज प्रकृति से जुड़ी छोटी-छोटी हरकतों को देख-समझकर मौसम का भविष्य जान लेते थे और आज भी उनके द्वारा बताई गई चीजों पर हम लोग विश्वास करते हैं और वैसा होता भी है। उन्होंने बताया कि अक्सर घरों में दिखने वाली चीटियां भी बड़े काम की होती हैं। इन चीटियों के चलने से लेकर अंडे देने तक और रंग भी खास संकेत देते हैं। सबसे पहले बात मौसम को लेकर करें, तो जब चीटियां बड़ी संख्या में उभरकर लाइन से चलते हुए दिखाई दें, तो यह उनकी सुरक्षित जगह के लिए खोज मानी जाती है ताकि वो बारिश से भी बचाव कर सकें। इसके साथ ही अगर यही चीटियां अपने साथ अंडा लेकर चल रही हैं, तो फिर यह माना जाता है कि आने वाले दो से चार दिनों में बारिश जरूर होगी। बुजुर्गों के अनुसार, आज भी अगर आपको कहीं पर अंडे लेकर चीटियां चलते हुए दिखाई दें, तो आप इसको आजमा सकते हैं। आने वाले दो-चार दिनों में उस इलाके में बारिश जरूर होगी। सागर की रहने वालीं एक बुजुर्ग दादी बताती हैं कि पहले बारिश का पता करने के लिए हम लोगों के पास कोई साधन नहीं हुआ करते थे। तब पक्षियों से, ट्रेन की आवाज से, चीटियों से, मेंढक आदि की हरकतों से अनुमान लगाते थे। चीटियां अगर अंडे लेकर निकल पड़ें, तो समझ जाते हैं कि बारिश बिल्कुल नजदीक आ गई है और कभी भी पानी गिर सकता है। चीटियों से अच्छे और बुरे का संकेत भी मिलता है। अगर किसी के घर या जग में काली चीटियां निकलती हैं, तो उसे बहुत शुभ मानते हैं कि अब कुछ अच्छा होने वाला है। वहीं अगर लाल चीटियां निकलती हैं, तो इसे ठीक नहीं माना जाता है। जिसके बाद संभलकर रहते हैं।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अनोखा होटल

जूते जैसा है इस होटल का आकार, एक रात का किराया जानकर उड़ जाएंगे होश!

जब भी लोग कहीं घूमने जाते हैं तो इस बात का बहुत ध्यान रखते हैं कि जहां वो जा रहे हैं, वो जगह कैसी है। घूमने के स्थान से ज्यादा सोच-विचार लोग वहां के होटल को लेकर करते हैं क्योंकि उन्हें होटल में ही रात बितानी पड़ती है। इस वजह से उसका खूबसूरत और सुरक्षित होना दोनों बेहद जरूरी है। यूं तो अधिकतर होटलों का डिजाइन एक जैसा ही होता है, पर आज हम आपको एक ऐसे होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जिसका डिजाइन इतना आकर्षक है कि आप एक बार यहां जरूर जाना चाहेंगे। ये होटल एक जूते के आकार का है। इसके एक रात का किराया इतना है कि आम आदमी तो इसे बिल्कुल भी अफोर्ड नहीं कर पाएगा, इस वजह से इसके किराये के बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे।

अगर आप गर्मी की छुट्टी पर जा रहे हैं और उसके लिए होटल की बुकिंग कर रहे हैं तो सोचिए कि ऐसे होटल में रुकने का अनुभव कैसा होगा जो एक जूते, या बूट के आकार का है। हां, एक बूट! हैंस शू हाउस एक रेंटल होम है, जो पेनसिल्वेनिया के यॉर्क में स्थित है, और यह न्यूयॉर्क सिटी से केवल तीन घंटे की ड्राइव पर है। SWNS के

अनुसार, इसे 1948 में द शो विजर्ड के नाम से फेमस एक अमेरिकी बिजनेसमैन महलोन हाइन्स ने बनवाया था।

जब हाइन्स ने पहली बार इस घर को बनाया, तो उनका इरादा था कि वे इस विचित्र शू-आकार के घर का उपयोग अपनी शू स्टोर्स के विज्ञापन करने के लिए करेंगे। उन्होंने सोचा कि इसे एक टूरिस्ट स्पॉट बनाया जाए, जहां लोग रुकेंगे। उन्हें उम्मीद थी कि वे उनकी दुकानों तक भी इस इमारत को देखकर पहुंच जाएंगे। आजकल, पर्यटक दूर-दूर से यही करने के लिए आते हैं। वे या तो 48-फुट-लंबे इस ऐतिहासिक घर में रहने के लिए इसे बुक करते हैं, या अगर वो इस घर के सामने से ड्राइव करते हुए निकलते हैं तो रुककर फोटो जरूर खिंचवा लेते हैं। वेलेन और नाओमी ब्राउन ने इस अनोखे घर को 2022 में खरीदा और इसमें हल्का फुल्का रेनोवेशन करवा दिया। कपल द्वारा इस घर को खरीदने से पहले इस लैंडमार्क घर का उपयोग एक म्यूजियम और फिर एक आइसक्रीम शॉप के रूप में किया जाता था।

नाओमी ने कहा कि आइसक्रीम शॉप के तौर पर इसका इस्तेमाल करने से ज्यादा प्रॉफिट नहीं हुआ, इसलिए बिजनेस मॉडल बदलने के बारे में सोचा गया। घर का बदलाव करने के बाद इसे एयरबीएनबी पर लिस्ट कर दिया गया। कपल का कहना है कि शू हाउस को गेस्ट बहुत प्यार करते हैं। यह एक बहुत ही मजेदार और अनोखा अनुभव होता है। घर 1,500 वर्ग फीट का है और इसमें तीन बेडरूम, 3.5 बाथरूम , एक लिविंग स्पेस और एक किचन एरिया शामिल है। इस होटल में रुकने के लिए एक रात का किराया 42 हजार रुपये से लेकर 55 हजार रुपये तक है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि गेस्ट कितने समय के लिए और साल के किस समय होटल को बुक करते हैं।

न्यायाधिकरणों को भी ठेंगे पर रखते हैं नगर निगम के अधिकारी !

एनजीटी में दायर हलफनामे में ही कर डाला डेटा की हेराफेरी

» लीगेसी कचरे की मात्रा में किया उलटफेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कूड़े से माल कमाने के चक्कर में अधिकारी न्यायाधिकरणों के सामने भी गलत आंकड़ें पेश करने में पीछे नहीं रहते हैं। मामला प्रयागराज नगर निगम (पीएनएन) से जुड़ा है जहां नगर निगम द्वारा राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) में दायर हलफनामे में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों का विश्लेषण करने पर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। विश्लेषण से पता चलता है कि नगर निगम ने लीगेसी कचरे की मात्रा और इसके प्रबंधन को लेकर गलत आंकड़े प्रस्तुत किए हैं, जिसमें एमएनआईआईटी और ठेकेदारों की मिलीभगत साफ नजर आती है।

नगर निगम ने लीगेसी कचरे के घनत्व (डेंसिटी) को लेकर असंगत मान्यताएं अपनाई हैं, जैसे 1.0, 1.39 और 1.9 टन प्रति घन मीटर। विशेषज्ञों का कहना है कि 1.9 टन प्रति घन मीटर का घनत्व सामान्य परिस्थितियों में अवास्तविक है। सामान्य रूप से लीगेसी कचरे का घनत्व 1.6-1.7 टन प्रति घन मीटर तक होता है, और केवल अत्यधिक नमी वाली स्थिति में यह 1.5-1.6 तक पहुंच सकता है। 1.9 टन प्रति घन मीटर का घनत्व ठोस पत्थर के घनत्व के करीब है, जो मिश्रित कचरे के लिए असंभव है। यह स्पष्ट रूप से डेटा में हेराफेरी का संकेत देता है। एमएनआईआईटी की रिपोर्ट्स पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि प्रयागराज के अलावा कानपुर जैसे अन्य शहरों में भी नगर निगम और ठेकेदार इनके प्रमाणपत्रों का उपयोग जनता के धन की हेराफेरी के लिए कर रहे हैं।

प्रयागराज नगर निगम में घालमेल का खुलासा

एमएनआईआईटी की विश्वसनीयता पर उठे सवाल

50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप

यह स्पष्ट है कि नगर निगम, ठेकेदार कंपनियों (इकोस्टैन और बीवीजी और एमएनआईआईटी की मिलीभगत से फर्जी बिलिंग और धोखाधड़ी की गई है, जिससे लगभग 50 करोड़ रुपये की हानि हुई है। इस मामले को मुकेश कुमार ने प्रधान सचिव (अमृत अभिजात) और नगर आयुक्त (गर्ग के समक्ष शिकायत के रूप में उठाया था, लेकिन इसे दबा दिया गया।

नागरिकों की मांग

यह मामला न केवल प्रयागराज नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि उच्च अधिकारियों की जवाबदेही पर भी प्रकाश डालता है। नागरिकों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने इस धोखाधड़ी की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस तरह के मामले कमोबेश राज्य के हर नगर निगम में है। आम आदमी से कूड़े की सफाई के नाम पर यूजर चार्ज के नाम पर करोड़ों वसूले जाते हैं। घर-घर से कूड़ा लेने में भी कंपनियों द्वारा हीलाहवाली की जाती है। जैसे-तैसे कूड़ा लिया जाता है और फिर उसे कूड़ा कलेक्शन वाले स्थानों पर यू ही डाल दिया जाता है। आम नागरिकों ने मांग की है कि कूड़े से जुड़ी कंपनियों पर निगरानी की जाए और आम आदमी का राहत दी जाए।

14.89 लाख टन से 26.22 लाख टन पहुंचा कूड़ा

आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2015 से जनवरी 2022 तक प्रयागराज संयंत्र में प्राप्त कुल कचरे की मात्रा 14.89 लाख टन थी, जिसमें 3,00,000 टन लीगेसी कचरा (जुलाई 2015 तक) और निर्माण व ध्वंस (सीएंडडी) कचरा शामिल है। यह आंकड़ा इलाहाबाद उच्च न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। सवाल यह है कि अगर इस अवधि में कचरे का कोई प्रसंस्करण नहीं हुआ और न ही कोई खाद या आरडीएफ निपटाया गया, तो यह 14.89 लाख टन कचरा कैसे 26.22 लाख टन में बदल गया? यह कचरे की मात्रा में 1.8 गुना की वृद्धि को दर्शाता है, जो असंभव है।

सीएमएस राजाजीपुरम शाखा स्कूल प्रबंधन पर शोषण का लगा आरोप

» पीएम, सीएम व राज्यपाल से लगाई न्याय की गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएमएस राजाजीपुरम शाखा में स्कूल प्रबंधन द्वारा हो रहे छात्रों के शोषण, मानसिक उत्पीड़न के खिलाफ पीएम, सीएम से लेकर यूपी के राज्यपाल तक शिकायत भेजी गई है। शिक्षा विभाग के बड़े-बड़े अधिकारियों से शिकायत के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई । विद्यालय की प्रधानाचार्य व अन्य अध्यापकों की शिकायत इससे पहले भी कई बार की जा चुकी है। छात्रों के अभिभावकों ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को लिखे पत्र में राजाजीपुरम शाखा की प्रधानाचार्या निशा पांडेय पर नियमों के विरुद्ध छात्रों पर शोषण का आरोप लगाया है।

इसके लिए अभिभावकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक, संयुक्त शिक्षा निदेशक तक को पत्र लिखा। जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो इन लोगों ने पीएम, सीएम, केंद्रीय शिक्षा मंत्री व राज्यपाल के आगे गुहार लगाई। पीड़ितों का अरोप है इस विद्यालय में पहले भी कई अन्य अध्यापकों पर छात्रों पर ज्यादा ट्यूशन फीस अधिक लेने, कोचिंग लेने के आरोप लगे पर शिकाय त के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

ओपी नैयर के गीतों ने बांधा समां

» कलाकारों के गानों ने मोहा मन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी की सांस्कृतिक,साहित्यिक बिम्ब कला केंद्र संस्था ने 1 रविवार की शाम को सप्रू मार्ग स्थित एक स्थानीय होटल में मशहूर संगीतकार ओ.पी. नैयर के स्मृति स्वर: मस्ती भरे गीतों की शाम, ओ.पी.नैयर के नाम, का आयोजन किया ,जिसमें बिम्ब के ही आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित गायक गायिकाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की धमाकेदार शुरुआत प्रसिद्ध गायिका पदमा गिडवानी ने आओ हुजूर तुमको सितारों में ले चलूं और मेरा नाम चिन चिन चूं से करी।

उसके बाद जाने माने कवि व गायक राजेश अरोरा शलभ ने लाखों हैं यहां दिलवाले पर प्यार नहीं मिलताऔरआप के हसीन रुख पे आज नया नूर है गाकर समां बांध दिया। गायक रज्जन लाल ने चल अकेला, तेरा मेला पीछे छूटा गाकर वाहवाही लूटी। दिनेश श्रीवास्तव ने जवानियां ये मस्त मस्त बिन पिए,अवधेश श्रीवास्तव ने मेरी जान तुम पे सदके नीलिमा दत्त ने जाइए ,आप कहां जांगे ,अशोक कुमार ने पुकारता चला हूं मैं गाकर पुराने दौर के संगीत की यादें ताजा कर दीं। उसके बाद इन्हीं कलाकारों ने एक से बढ़कर एक युगल गीत सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया । कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अंतिम गीतये देश है वीर जवानों का (नया दौर)रहा जो ओ.पी. नैयर का देशभक्तिपूर्ण सदाबहार गीत है और जिसे इसी फ़िल्म के एक अन्य गीत साथी हाथ बढ़ाना के साथ मिलाकर मेडले बनाकर प्रस्तुत किया गया था। एक बच्चे का इस गीत पर मंच पर तिरंगा फहराने और पूरे हॉल में पुष्प वर्षा होने से पूरा वातावरण ओजमय हो गया। कार्यक्रम में वादक कलाकारों में की बोर्ड पर विजय सैनी, स्पेनिश गिटार पर राकेश आर्या, ऑक्टोपैड पर राजेश तिवारी, ढोलक पर दीपक और हारमोनियम पर दिनेश श्रीवास्तव ने शानदार संगत दी।

बिम्ब कला केंद्र में सजी सुप्रसिद्ध संगीतकार की महफिल

फाइनल में पंजाब का बेंगलुरु से होगा सामना

» श्रेयस की धमाकेदार पारी की बदौलत मुंबई को पांच विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। कप्तान श्रेयस अय्यर के नाबाद 87 रन की बदौलत पंजाब किंग्स ने क्वालिफायर-2 मुकाबले में मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 203 रन बनाए थे, जवाब में पंजाब ने श्रेयस की दमदार अर्धशतकीय पारी की मदद से 19 ओवर में पांच विकेट पर 207 रन बनाकर जीत दर्ज की।

पंजाब किंग्स ने 2014 के बाद पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है। अब उसका सामना कल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर ही आरसीबी से सामना होगा। आरसीबी ने क्वालिफायर-1 मुकाबले में पंजाब को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। पांच बार की चैंपियन मुंबई का सफर क्वालिफायर-2 में समाप्त हो गया। पंजाब और आरसीबी ने अब तक कभी आईपीएल की ट्रॉफी नहीं जीती है, ऐसे में यह तय है कि अब टूर्नामेंट को एक नया चैंपियन मिलेगा। लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और टीम ने 72 रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद श्रेयस और नेहाल वढेरा ने साझेदारी निभाई और चौथे विकेट के लिए 84 रन जोड़े। श्रेयस ने 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।

सूर्यकुमार ने तोड़ा एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने नॉन ओपनर के रूप में आईपीएल के एक सीजन में 700 रन बनाने का कारनामा कर दिखाया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड आरसीबी के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के नाम था। साल 2016 में डिविलियर्स ने 687 रन बनाए थे। इतना ही नहीं सूर्यकुमार यादव आईपीएल इतिहास में 700 प्लस का स्कोर बनाने वाले कुल 12वें खिलाड़ी बने। साथ ही मुंबई इंडियंस के लिए एक सीजन में 700 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। अभी तक मुंबई की तरफ से कोई भी बल्लेबाज 700 का आंकड़ा नहीं छू पाया था।

योगी सरकार के पावरफुल आईएएस अफसर एसपी गोयल की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

- उप लोकायुक्त ने आईएएस एसपी गोयल से जवाब मांगा
- सीएम योगी के प्रमुख सचिव रहे गोयल पर लगे हैं भ्रष्टाचार के आरोप
- आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने की थी शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार के पावरफूल आईएएस अफसर एसपी गोयल की मुसीबतें बढ़ सकती है। प्रदेश के उप लोकायुक्त, उत्तर प्रदेश ने आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर द्वारा आईएएस अफसर एसपी गोयल के संबंध में भेजी शिकायत का संज्ञान लेते हुए एसपी गोयल से 30 जून तक जवाब मांगा है।

अमिताभ ठाकुर ने अपनी शिकायत में कहा था कि उन्हें पिछले 8 वर्षों से मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव के रूप में तैनात एसपी गोयल के निकटवर्ती परिजनों से जुड़ी करोड़ों रुपए की परिसंपत्तियों

आईएएस एसपी गोयल

और कई कंपनियों के विषय में ऐसे अभिलेखीय साक्ष्य मिले हैं, जिनकी गहन जांच आवश्यक है। इनमें अंसल ग्रुप में लगभग 45 करोड़ की 10 संपत्तियां तथा उनके विराम खंड- 1 स्थित आवास के पते की 7 कंपनियां शामिल हैं।

25 लाख घूस मांगने का भी लगा है आरोप

इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रधान सचिव एसपी गोयल पर 25 लाख रुपये की घूस मांगने का आरोप लगा है। इस गंभीर आरोप पर राज्यपाल राम नाईक ने कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। आजाद अधिकार सेना ने कहा कि इस संबंध में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर उनके संज्ञान में लाए गए सभी तथ्यों की गहन जांच की मांग की गई है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि एसपी गोयल पर पहले उन्नाव के अभिषेक गुप्ता से 25 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया गया था, लेकिन शिकायतकर्ता ने बेहद संदिग्ध परिस्थितियों में अपनी शिकायत वापस ले ली थी।

आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष ने की थी जांच की मांग

आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष ने कहा था कि अंसल जैसी आरोपित कंपनी द्वारा एसपी गोयल के निकट कुछ परिजनों को 10 संपत्तियों को बेचे जाने के मामले में अग्रिम जांच आवश्यक है। इसी प्रकार उन्होंने एसपी गोयल के आवास के पते से उनके निकट परिजनों के नाम की 7 कंपनियों के संचालन से जुड़े तथ्यों की भी अग्रिम जांच की मांग की थी। अमिताभ ठाकुर ने बताया कि उन्हें अंसल ग्रुप की सुशांत सिटी, लखनऊ की अक्टूबर 2022 से दिसंबर 2024 के बीच बेची गई 10 ऐसी संपत्तियों की रजिस्ट्री का ब्योरा मिला है, जो उन्हें दी गई जानकारी के अनुसार एसपी गोयल के बेहद करीबी रिश्तेदारों और उनसे जुड़ी कंपनियों को बेची गई हैं। इनमें 3 व्यावसायिक और 7 आवासीय संपत्तियां शामिल हैं। व्यावसायिक संपत्तियों का कुल क्षेत्रफल 1.71 लाख वर्ग फीट है, जबकि आवासीय संपत्तियों का क्षेत्रफल 55,700 वर्ग फीट है। रजिस्ट्री के रिकॉर्ड के अनुसार इन 10 संपत्तियों की स्टांप ड्यूटी समेत कुल कीमत करीब 45 करोड़ 10 लाख रुपये है। अमिताभ और नूतन ठाकुर ने कहा कि पिछले 2 वर्षों में अंसल ग्रुप द्वारा इस तरह से एसपी गोयल के कथित रिश्तेदारों को 10 बेशकीमती संपत्तियां रजिस्ट्री करने के मामले में सभी तथ्य जांच का विषय बन गए हैं। मामला तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब निलंबित आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को अंसल ग्रुप द्वारा अंसल ग्रुप को दी गई संपत्तियां सौंपे जाने का मामला सामने आया है। अमिताभ और नूतन ठाकुर ने कहा कि इसके साथ ही उन्हें 7 ऐसी कंपनियों की जानकारी मिली है, जो एसपी गोयल के ब्रेक सेक्शन-1 स्थित आवास में पाई गई हैं, लेकिन यह पूरी तरह से आवासीय मकान है और इसमें किसी कंपनी का बोर्ड नहीं है। इन 7 कंपनियों में एसपी गोयल का परिवार निदेशक बताया जा रहा है। उन्हीं लोगों की 5 अन्य कंपनियों की भी उन्हें जानकारी मिली है। कोलकाता के बीबीडी बाग के साथ-साथ नई दिल्ली के बाबर रोड और मालवीय नगर का पता भी सामने आया है, जो भी जांच का विषय है।

राहुल गांधी मप्र में संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने मंगलवार को भोपाल में राहुल गांधी के दौरे को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। राजधानी में जगह-जगह स्वागत पोस्टर लगाए जा रहे हैं और प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में रविवार को इसको लेकर एक अहम बैठक भी हुई।

राहुल गांधी का पिछला दौरा विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान हुआ था, जब उन्होंने पुराने भोपाल में रोड शो किया था। भोपाल में राहुल गांधी संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसका आयोजन रविंद्र भवन में होगा। इसमें केवल एआईसीसी और पीसीसी के डेलीगेट्स, जिला और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पार्टी द्वारा विशेष पास जारी किए जा रहे हैं। यहां राहुल गांधी

प्रदेश में कांग्रेस को फिर से संगठित करने की रणनीति साझा करेंगे और मिलकर कार्य करने की अपील कर सकते हैं। यह पहल कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए संगठित तैयारी की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। राहुल गांधी सुबह 10 बजे पीसीसी कार्यालय में राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक लेंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे एआईसीसी पर्यवेक्षकोंके साथ बैठक करेंगे। फिर दोपहर दो बजे रविंद्र भवन में संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ करेंगे।

दुश्मन पर ध्यान केंद्रित करें पीएम: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी से चुनाव प्रचार से खुद को अलग करने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक भाषणों पर टिप्पणी करते हुए उनसे आत्म-प्रशंसा के बजाय दुश्मन पर ध्यान केंद्रित करने और चुनाव प्रचार से खुद को अलग करने का आग्रह किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति कांग्रेस पार्टी का अटूट समर्थन दोहराया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री के उस बयान पर भी कटाक्ष किया जिसमें उन्होंने कहा था कि सेना को पूरी छूट दे दी गई है। बेंगलुरु में पत्रकारों को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा, ''मैं उनके (मोदी के) सभी बयानों पर प्रतिक्रिया देना पसंद नहीं करता। लेकिन मेरा उनसे बस इतना अनुरोध है कि सत्ता में बैठे लोगों को कभी-कभी अपना मुंह बंद रखना

आत्म प्रशंसा से दूर रहें पीएम

उन्होंने कहा, ''मोदी को खुद को चुनावों से अलग कर लेना चाहिए और देश पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्हें देश में जो कुछ भी हुआ है, उसे समझकर बोलना चाहिए।'' उन्हे अपनी आत्म प्रशंसा से भी बचा चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं बिना किसी राजनीतिक मतभेद के कह रहा हूं कि उन्हें (मोदी को) यह दावा करने के बजाय कि उनके अलावा कोई भी ऐसा नहीं कर सकता, दुश्मन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमारा पूरा समर्थन सशस्त्र बलों के साथ है।''

संवेदनशील समय में राजनीतिक संयम जरूरी

संवेदनशील समय में राजनीतिक संयम की आवश्यकता पर बल देते हुए खरगे ने कहा, हम कुछ नहीं कहेंगे, क्योंकि स्थिति सामान्य नहीं है। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले तनाव के दौरान पाकिस्तान की संसद में दिखाये गए संयम का उदाहरण देते हुए कहा, ''जब भारत और पाकिस्तान के बीच झड़पें हुईं, तो पाकिस्तान की संसद में इस बात पर चर्चा शुरू हुई कि देश के खिलाफ कुछ भी न बोला जाए।'' उन्होंने कहा, ''जब तक सेना है, हम सभी सुरक्षित हैं। इसलिए हम सशस्त्र बलों का समर्थन करते हैं।

चाहिए। खरगे ने प्रधानमंत्री के हालिया सार्वजनिक बयानों और राजनीतिक गतिविधियों पर सवाल उठाते हुए सुझाव दिया कि मोदी को अस्थायी तौर पर चुनाव प्रचार से दूर हो जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विचार-विमर्श के लिए विदेश गए हैं।

गद्दारों ने तेजस्वी और मेरे बीच फूट डालने की साजिश रची: तेजप्रताप

राजद से निष्कासन के बाद लालू के बड़े बेटे ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। अपने पिता लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से हाल ही में निकाले जाने पर चुप्पी तोड़ते हुए तेजप्रताप यादव ने आरोप लगाया कि उनके और छोटे भाई तेजस्वी यादव के बीच दरार डालने की साजिश रची जा रही है। पार्टी से निष्कासित किये जाने के एक हफ्ते बाद बिहार के पूर्व मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

तेजप्रताप यादव ने रविवार को दावा

तेज प्रताप का भावुक पोस्ट- मम्मी-पापा... मेरी दुनिया आप में ही समाई

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने रविवार को अपने पिता और मां के लिए एक भावुक पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने खुद को राजनीति का शिकार बताया और बिना नाम लिए उनके खिलाफ सियाशी साजिश रचने वालों पर निशाना भी साधा। उन्होंने उन्होंने माइक्राब्लॉगिंग साइट एक्स पर लिखा, मेरे प्यारे मम्मी पापा... मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप है तो सब कुछ है मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए न कि कुछ और। पापा आप नहीं होते तो न ये पार्टी होती और न मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग। बस मम्मी पापा आप दोनों स्वस्थ और खुश रहे हमेशा। इससे 24 मई को तेज प्रताप यादव के ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट पर शेयर किए गए पोस्ट ने बवाल मचा दिया था। पोस्ट में तेज प्रताप एक लड़की के साथ दिख रहे थे। इसमें लिखा गया था कि हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं। प्यार भी करते हैं। पिछले 12 साल से हम रिलेशन में हैं। मैं बहुत दिनों से आप लोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कि कैसे कहूं....? इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल का बात आप सब के बीच रख रहा हूं! आशा करता हूं कि आप लोग मेरी बातों को समझेंगे।

किया कि पार्टी में 'जयचंद' जैसे कुछ लालची लोग उनके खिलाफ राजनीति कर रहे हैं। महाभारत के प्रतीकात्मक चित्रण का सहारा लेते हुए यादव ने लिखा, मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नही हो सकोगे, कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो लेकिन खुद कृष्ण को नहीं। हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा। तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, बस मेरे भाई भरोसा रखना मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं, फिलहाल दूर हूं, लेकिन मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा। मेरे भाई मम्मी पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह है अंदर भी और बाहर भी।

देश में कोरोना से 24 घंटे में छह और मौतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। एक्टिव केसों की संख्या 3976 पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 10 दिन में 15 गुना मामले बढ़े हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1435 केस हैं।

महाराष्ट्र एक्टिव मामलों के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 506 मरीज हैं। कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या 34 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 6 मौतें हुई हैं। सोमवार को अहमदाबाद में 18 साल की गर्भवती लड़की और 47 साल की महिला की कोरोना से जान गई। इससे पहले रविवार को दिल्ली में 22 साल की लड़की और तमिलनाडु में 25 साल के लड़के की कोरोना से मौत हुई थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।